



# झारखण्ड गजट

## असाधारण अंक

### झारखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

---

संख्या- 902 राँची, मंगलवार, 30 कार्तिक, 1939 (श०)  
21 नवम्बर, 2017 (ई०)

---

#### खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग

-----  
संकल्प

20 सितम्बर, 2017

संख्या-खा.आ. माप तौल प्र. 05/आरोप 04/2016 - 4007, -- श्री जय शंकर भगत, तत्कालीन उप निदेशक-सह-संयुक्त नियंत्रक विधिक माप, राँची सम्प्रति सेवानिवृत्त के विरुद्ध सरकारी आदेशों की अवहेलना करने, श्री वंशीधर प्रसाद सेवानिवृत्त निरीक्षक माप एवं तौल जमशेदपुर की मिलीभगत से सरकारी राजस्व की हानि करने, तथा अपने दायित्वों का नियम विरुद्ध निर्वहन करने आदि आरोपों के लिए झारखण्ड पेंशन नियमावली के नियम 43 (बी) तथा सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 1930 के सुसंगत नियमों के तहत कृषि एवं गन्ना विकास विभाग, झारखण्ड, राँची के ज्ञापांक 4002, दिनांक 23 दिसम्बर, 2011 द्वारा विभागीय कार्यवाही प्रारम्भ करने का निर्णय लेते हुए श्री प्रवीण झा, विशेष सचिव, कृषि एवं गन्ना विकास विभाग, झारखण्ड, राँची को संचालन पदाधिकारी नियुक्त किया गया है।

संचालन पदाधिकारी श्री प्रवीण झा द्वारा विभागीय कार्यवाही से संदर्भित अधिगम समर्पित नहीं किये जाने के कारण कृषि एवं गन्ना विकास विभाग, झारखण्ड, राँची के ज्ञापांक 169, दिनांक 16 जनवरी, 2015 द्वारा विभागीय जाँच पदाधिकारी श्री शुभेन्द्र झा (सेवानिवृत्त) भा.प्र.से.

को संचालन पदाधिकारी तथा श्रीमती सरोज तिकी, अवर सचिव, कृषि एवं गन्ना विकास विभाग, झारखण्ड, राँची को प्रस्तोता पदाधिकारी नियुक्त किया गया ।

संचालन पदाधिकारी विभागीय जाँच पदाधिकारी श्री शुभेन्द्र झा द्वारा श्री भगत के विरुद्ध जाँच प्रतिवेदन समर्पित किया गया ।

विभागीय जाँच पदाधिकारी ने जाँच प्रतिवेदन में निष्कर्षतः यह उल्लेखित किया है कि आरोपित पदाधिकारी को विभिन्न माध्यमों से सूचना दिये जाने के बावजूद विभागीय जाँच की कार्यवाही में शामिल नहीं हो रहे हैं तथा अपना पक्ष नहीं रख रहे हैं । इससे स्पष्ट है कि उन्हें अपने बचाव में कुछ नहीं कहना है । ऐसी स्थिति में कृषि निदेशालय के द्वारा गठित जाँच दल के द्वारा श्री भगत के विरुद्ध विभिन्न परिवादों की जाँच के आधार पर समर्पित जाँच निष्कर्ष सही है । अतः इनके विरुद्ध आरोप प्रमाणित होता है ।

संचालन पदाधिकारी से प्राप्त जाँच प्रतिवेदन की छायाप्रति संलग्न कर प्रमाणित आरोपों के लिए पेंशन से कटौती संबंधी दण्ड अधिरोपण के बिन्दु पर विभागीय पत्रांक 4704, दिनांक 18 अक्टूबर, 2016 द्वारा द्वितीय कारण पृच्छा उपलब्ध कराने का निदेश श्री भगत को दिया गया। साथ ही साथ, प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से समाचार पत्र में प्रकाशित कर द्वितीय कारण पृच्छा श्री भगत को समर्पित करने हेतु निदेशित किया गया । उसके बावजूद श्री भगत द्वारा द्वितीय कारण पृच्छा समर्पित नहीं किया गया ।

उक्त से स्पष्ट होता है कि उनके विरुद्ध प्रमाणित आरोपों के संदर्भ में उन्हें कुछ नहीं कहना है । ऐसी स्थिति में उपलब्ध कागजात/अभिलेख तथा संचालन पदाधिकारी से प्राप्त जाँच प्रतिवेदन के समीक्षोपरान्त श्री जयशंकर भगत तत्कालीन उप निदेशक-सह-संयुक्त नियंत्रक विधिक माप, झारखण्ड, राँची सम्प्रति सेवानिवृत्त के विरुद्ध उनके पेंशन से 20% (बीस प्रतिशत) की राशि कटौती किये जाने का दण्ड अधिरोपित करते हुए इनके विरुद्ध संचालित विभागीय कार्यवाही को समाप्त किया जाता है ।

झारखण्ड राज्यपाल के आदेश से,

**विनय कुमार राय,**  
सरकार के संयुक्त सचिव ।

-----